कई सौ लीटर अवैध कच्ची शराब पर कार्यवाही

पुलिस ने दो अलग-अलग ठिकानों पर छापा मारकर अवैध शराब बनाने के ठिकाने का भंडाफोड़ किया

नवभारत, नरसिंहपुर। पुलिस ने बुधवार सुबह करीब 4 बजे स्टेशनगंज थाना क्षेत्र के रोसरा-खमतरा इलाके में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने दो अलग-अलग ठिकानों पर छापा मारकर अवैध शराब बनाने के ठिकाने का भंडाफोड़ किया। बताया जा रहा है कि यहां लंबे समय से अवैध शराब तैयार की जा रही थी।

खुफिया सूचना पर पहुंची पुलिस

पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध तरीके से शराब बनाई जा रही है। इसके बाद स्टेशनगंज और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की।

मौके से बड़ी मात्रा में महुआ लहान और अवैध शराब मिली। शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान भी पुलिस ने जब्त किया है। थाना प्रभारी सौरभ पटेल ने बताया कि दो स्थानों पर कार्रवाई की गई है। बड़ी मात्रा में महुआ लहान और अवैध शराब जब्त की गई है। जब्त सामग्री की मात्रा की गणना की जा रही है। मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है।

नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

कार्रवाई के दौरान निरीक्षक गौरव चाटे, थाना प्रभारी सौरभ पटेल समेत पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद हुई इस कार्रवाई को अवैध शराब के नेटवर्क के खिलाफ अहम कदम माना जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यहां तैयार शराब कहां-कहां सप्लाई की जाती थी और इस नेटवर्क से कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

120 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त, 2000 किलो लाहन नष्ट

नवभारत, गाडरवारा। अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध नरसिंहपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन ईगल क्लॉ के तहत गाडरवारा पुलिस ने बुधवार अलसुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए 120 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की। पुलिस ने शराब बनाने में उपयोग किए जा रहे करीब 2000 किलोग्राम महुआ लाहन को भी नष्ट किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी गाडरवारा ललित सिंह डागुर के निर्देशन में थाना गाडरवारा, साईंखेड़ा, डोंगरगांव एवं चीचली पुलिस की संयुक्त टीम ने मजबूत मुखबिर तंत्र के आधार पर कुचबंदिया मोहल्ला गाडरवारा में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने रंजीत रजक, रंजीता कुचबंदिया, ललिता कुचबंदिया, पार्वती कुचबंदिया, नीतू कुचबंदिया, सुनील उर्फ नीलू धानक एवं कमल कहार सहित कुल सात आरोपियों के कब्जे से 120 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 हजार रुपये है, बरामद की। पुलिस के अनुसार मामले में एक आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट तथा छह आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत पृथक-पृथक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। धारा 34(2) के आरोपी रंजीत रजक को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक अशोक सिंह चौहान, थाना प्रभारी साईंखेड़ा संध्या चंदेल, थाना प्रभारी चीचली शशि विश्वकर्मा, पुनीत कटारे सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

एक नजर में

ग्राम पंचायत हेमरा में लगातार अनियमितता जारी है

नवभारत, करेली। जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हेमरा में लगातार अनियमितता जारी है जब मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और जनपद पंचायत के अधिकारी के आदेशों की आवहिलना लगातार की जाती है द्य जबकि ग्राम पंचायत हेमरा तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह जी पटेल जी के गृह निवास से 2 किलोमीटर की दूरी पर है ।और मध्य प्रदेश सरकार के वजन बजान दार मंत्री ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह जी पटेल का ग्रह जिला है हइस पंचायत में आए दिन ताला डाला रहता है और तो और यहां के पूर्व सरपंच लाल साहब मिश्रा के द्वारा दिए गए आवेदन पर अभीतक कोई कार्यवाही नहीं हो जबकि इस पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बरिया घाट की चबूतरा निर्माण को लेकर तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ जी पटेल के द्वारा जांच कर कार्यवाही की टीप लिखी गई थी द्य जब क्षेत्रीय विधायक की टीप का यह हाल है तो जिले का भगवान ही मालिक हैं ।

संयुक्त कलेक्टर और संघमित्रा गौतम को भारमुक्त करने के आदेश जारी

नवभारत, नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह ने राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के परिपालन में जिले में पदस्थ संयुक्त कलेक्टर कलावती ब्यारे एवं संयुक्त कलेक्टर संघमित्रा गौतम को उनकी नवीन पदस्थापना स्थल के लिए भारमुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत संयुक्त कलेक्टर कलावती ब्यारे का स्थानांतरण संयुक्त कलेक्टर, जबलपुर तथा संयुक्त कलेक्टर संघमित्रा गौतम का स्थानांतरण संयुक्त कलेक्टर, ग्वालियर के पद पर किया गया है। राज्य शासन के उक्त स्थानांतरण आदेश के पालन में कलेक्टर रजनी सिंह ने दोनों अधिकारियों को वर्तमान पदस्थापना से भारमुक्त करने के आदेश जारी किए हैं, ताकि वे अपनी नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर सकें।

वर्षा धाकड़ को शुभचिंतकों ने दी बधाई

नवभारत, गाडरवारा। सब-इंस्पेक्टर (SI) से थाना प्रभारी (TI) के पद पर पदोन्नति मिलने पर वर्षा धाकड़ को शुभचिंतकों एवं परिचितों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बधाई संदेश में कहा गया कि वर्षा धाकड़ की मेहनत, लगन, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण का ही परिणाम है कि उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। शुभचिंतकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे नई जिम्मेदारी का भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगी तथा सफलता की नई ऊंचाइयां प्राप्त करेंगी।

गाडरवारा में 12 सितंबर से 15 दिवसीय योग शिविर

नवभारत, गाडरवारा। गाडरवारा राइडर्स द्वारा स्वस्थ शरीर एवं सुखी जीवन के उद्देश्य से 15 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर 12 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन सुबह 7:15 से 8:15 बजे तक सुखदेव भवन में आयोजित होगा। शिविर में योग एवं प्राणायाम के माध्यम से शारीरिक लचीलापन, मानसिक शांति, बेहतर स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। योग प्रशिक्षण योग टीचर पल्लवी सिंह, भोपाल द्वारा दिया जाएगा। शिविर की रजिस्ट्रेशन फीस मात्र 100 रुपये रखी गई है। सीमित सीटों के चलते इच्छुक नागरिकों से शीघ्र पंजीयन कराने की अपील की गई है।

एक पौधा शहीद आशीष शर्मा के नाम, अमर शहादत को किया नमन

नवभारत, नरसिंहपुर। देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद स्वर्गीय आशीष शर्मा की स्मृति में मधुवन (मोतिया तालाब) बोहानी में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद चौधरी दर्शन सिंह एवं विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल (मुलायम भैया) ने सहभागिता करते हुए शहीद आशीष शर्मा की स्मृति में पौधरोपण किया और उनकी अमर शहादत को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि शहीद आशीष शर्मा ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका त्याग, साहस और देशभक्ति हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत

रहेगा। शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और आने वाली पीढ़ियों तक उनकी गौरवगाथा पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। शहीद की स्मृति में लगाया गया यह केवल एक पौधा नहीं, बल्कि उनकी वीरता, त्याग और अमर स्मृति का प्रतीक है। जिस प्रकार यह वृक्ष समय के साथ विकसित होकर आने वाली पीढ़ियों को छाया और जीवन प्रदान करेगा।

मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण

नवभारत, साईंखेड़ा। विकासखंड साईंखेड़ा अंतर्गत शासकीय विद्यालय एवं हाई स्कूल पीपरपानी में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं नर्मदा जल की शुद्धता बनाए रखने के उद्देश्य से मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का संयुक्त प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं को मिट्टी से भगवान गणेश की आकर्षक एवं पर्यावरण हितैषी प्रतिमा बनाने की विधि बताई गई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी गणेश प्रतिमाओं के स्थान पर प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं की स्थापना के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि पीओपी की प्रतिमाएं जल में आसानी से घुलती

नहीं हैं और विसर्जन के दौरान जल स्रोतों को प्रदूषित करती हैं। नर्मदा नदी की पवित्रता एवं जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए मिट्टी की प्रतिमाओं को बढ़ावा देना आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने हाथों से मिट्टी के गणेश जी की प्रतिमाएं बनाईं। साथ ही सभी छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे बाजार से पीओपी की गणेश प्रतिमा नहीं लाएंगे, बल्कि अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाकर उनकी स्थापना करेंगे तथा अन्य लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। मूर्ति निर्माण का प्रशिक्षण समाजसेवी रेवा शंकर कटारे द्वारा दिया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को मिट्टी की प्रतिमा बनाने की विभिन्न बारीकियों से अवगत कराया तथा पर्यावरण संरक्षण और नर्मदा जल की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

भाजपा जिला कार्यसमिति में स्वाति अग्रवाल को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

नवभारत, साईंखेड़ा। भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा नरसिंहपुर जिला कार्यसमिति का गठन किया गया है। इसमें नगर परिषद साईंखेड़ा की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति अग्रवाल को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। स्वाति अग्रवाल को जिला कार्यसमिति में स्थान मिलने से साईंखेड़ा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है। पार्टी संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपकर संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका को महत्व दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रीमती स्वाति अग्रवाल को जिला कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित

नगर परिषद साईंखेड़ा की अध्यक्ष बनीं विशेष आमंत्रित सदस्य

की हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनके अनुभव एवं सक्रियता से संगठन को मजबूती मिलेगी तथा साईंखेड़ा नगर एवं क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े विषयों को संगठन के माध्यम से प्रभावी ढंग से आगे रखने में मदद मिलेगी।

गड्ढों में तब्दील हुआ स्टेट हाईवे-44

नवभारत, साईंखेड़ा। कभी विकास और सुविधाओं के विस्तार की उम्मीदों से आगे बढ़ रहे साईंखेड़ा नगर की मुख्य सड़क इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहाती नजर आ रही है। स्टेट हाईवे-44, जो भोपाल और जबलपुर सहित अनेक क्षेत्रों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, साईंखेड़ा नगर के भीतर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों, जलभराव और कीचड़ के कारण राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। बारिश होते ही सड़क की वास्तविक तस्वीर सामने आ जाती है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढे पानी से लबालब भर जाते हैं और पूरी सड़क कीचड़ एवं दलदल में तब्दील हो जाती है। हालात ऐसे हैं कि वाहन चलाना तो दूर, पैदल निकलना भी किसी चुनौती से कम

नहीं है। गड्ढों में पानी भरा होने के कारण उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के गिरने और

दुर्घटना होने का खतरा लगातार बना रहता है

जिस सड़क से मंत्री-अधिकारी गुजरते हैं, उसी की हालत बदहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस मार्ग से जिले के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और मंत्री लगातार आवागमन करते हैं, आखिर उन्हें सड़क की यह बदहाल तस्वीर दिखाई क्यों नहीं देती? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि साईंखेड़ा नगर की मुख्य सड़क किसी ग्रामीण क्षेत्र की सामान्य सड़क से भी बदतर स्थिति में पहुंच चुकी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं, गड्ढों में पानी भरा है और आसपास कीचड़ जमा होने से राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। नगरवासियों का आरोप है कि समस्या नई नहीं है। लंबे समय से सड़क की हालत खराब है, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा स्थायी समाधान की दिशा में गंभीरता से काम नहीं किया गया।

संस्कारों पर भारी पड़ते शौक, विद्यालय परिसरों के पास बेखौफ शराबखोरी

गलत दिशा में भटक रहा युवा पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है

नवभारत, तेंदूखेड़ा। एक ओर जहां हम युवा पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य उत्कृष्ट शिक्षा और आधुनिकता के बड़े बड़े दावे कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर नगर की धरातली हकीकत इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। अनेक परिवारों के युवा बेहतर पहनावे और आधुनिक रहन सहन के बीच जिस दिशा में भटक रहे हैं। वह पूरे समाज के लिए एक गहरी चिंता का विषय बन चुका है। सिद्ध धाम का पवित्र मार्ग और असहज होतीं महिलाएं नगर के सुप्रसिद्ध और आस्था के केंद्र धार्मिक स्थलों एन एच 45 की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग जंगल की तलहटी तरफ इन दिनों असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बनता जा रहा है। दिन दहाड़े बीच सड़क पर अच्छे घरों के पाल्य महफिल सजाकर शराबखोरी करते देखे जा सकते हैं। इन मार्गों से प्रतिदिन सैकड़ों महिलाएं और श्रद्धालु मंदिर में पूजा अर्चना के लिए गुजरते हैं। खुलेआम चल रहे इस दौर-ए-जाम के कारण मंदिर आने जाने वाली महिलाओं और युवतियों को भारी असहजता और असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। धार्मिक वातावरण के बीच इस तरह का दृश्य न केवल आस्था पर चोट करता है। बल्कि सामाजिक ताने बाने को भी दूषित कर रहा है। स्थिति केवल मंदिर मार्ग तक ही सीमित नहीं है। नगर की प्राथमिक कन्या शाला जिसे स्थानीय भाषा में नीचे का रास्ता भी कहा जाता है के आसपास के हालात तो और भी चिंताजनक हैं। सुबह हो शाम हो या रात इस क्षेत्र में बेखौफ होकर शराब खोरी का खेल जारी रहता है। जिस विद्यालय में मासूम छात्राएं अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने आती हैं। उसी के मुहाने पर इस तरह का माहौल बच्चों के मन मस्तिष्क पर क्या प्रभाव छोड़ेगा। इसका अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। इस पूरे घटनाक्र म का सबसे दुखद पहलू पालकों की अनदेखी और लापरवाही है। बच्चे घर से कितनी देर से गायब हैं? किस स्थिति में बाहर गए थे और किस हाल में वापस लौट रहे हैं? उनकी संगति कैसी है और वे अपना कीमती समय कहाँ बिता रहे हैं? आज के दौर में पालक इन बुनियादी बातों पर ध्यान देना मुनासिब नहीं समझ रहे। याद रखना होगा कि आज की यह छोटी छोटी अनदेखी ही कल किसी बड़े अपराध या दुर्घटना का रूप लेकर परिवार के सामने खड़ी होगी। यह महज़ कुछ युवकों की गलत आदत का मामला नहीं है। बल्कि यह हमारी सामाजिक संरचना और संस्कारों के पतन का संकेत है।अभिभावकों को अपनी आंखें खोलकर अपने बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखनी होगी। वरना यह खामोशी भविष्य में बहुत भारी पड़ सकती है।

एक-एक कर विकसित किए जाएंगे कचरा मुक्त मॉडल वार्ड

नवभारत, नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए केवल नगर पालिका के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा और वार्ड स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करना होगा। कलेक्टर रजनी सिंह ने यह बात बुधवार को पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत स्वच्छतम पोर्टल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित जिला स्तरीय स्वच्छता कार्यशाला में कही। कार्यशाला में नगर पालिका नरसिंहपुर के अध्यक्ष नीरज दुबे, करेली नगर पालिका की उपाध्यक्ष अनीता नेमा, नगरपालिका नरसिंहपुर, करेली एवं गोटेगांव के जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर, गोटेगांव एवं करेली, उपयंत्री एवं स्वच्छता प्रभारी मौजूद थे। कलेक्टर सिंह ने कहा कि पिछले कई वर्षों से स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी हमें उस आदर्श स्थिति तक पहुंचना है।

विद्यालय में वित्तीय जागरूकता एवं निवेश शिक्षा सेमिनार आयोजित

विद्यार्थियों को भविष्य में आर्थिक रूप से जागरूक एवं जिम्मेदार निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया गया

नवभारत, करेली। विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए वित्तीय शिक्षा एवं जागरूकता विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एच डी एफ मुयचचल फंड इंनवेटर एजूकेशन और अवरनेश प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों को धन के सही प्रबंधन, बचत, निवेश तथा वित्तीय निर्णयों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। सेमिनार में विद्यार्थियों को सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों

के माध्यम से बचत और निवेश का महत्व, धन का उचित प्रबंधन, बजट बनाना तथा वित्तीय अनुशासन जैसे विषयों से परिचित कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों को भविष्य में आर्थिक रूप से जागरूक एवं जिम्मेदार निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान भी किया और उन्हें वित्तीय मामलों को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और रुचि के साथ सेमिनार में सहभागिता की।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने शिविरों का आयोजन

नवभारत, नरसिंहपुर। असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले निवासियों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत जिले के नगरीय क्षेत्रों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने के साथ महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण, आजीविका उन्नयन एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत 10 सितम्बर को नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर के अंतर्गत नरसिंह वार्ड व संजय वार्ड के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र, नगर पालिका परिषद गाडरवारा के अंतर्गत हनुमान वार्ड व रानी लक्ष्मीबाई वार्ड के लिए नगर पालिका कार्यालय के सभाकक्ष में, नगर परिषद चीचली के अंतर्गत वीर शिवाजी वार्ड के लिए नगर परिषद चीचली के ऑफिस और नगर परिषद साईंखेड़ा के अंतर्गत अग्रसेन वार्ड, वीर शिवाजी वार्ड व विवेकानंद वार्ड के लिए नगर परिषद कार्यालय में शिविर आयोजित होगा। शिविरों में मुख्य रूप से राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के समूह सदस्यों के साथ संबंधित वार्डों के अन्य पात्र निवासी, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष है, शामिल होंगे।

तबादला | कई विभागों में 10 से 25 साल तक एक ही जगह पदस्थ होने के आरोप, तबादला नीति पर उठ रहे सवाल

वर्षों से जमे अफसरों पर कब चलेगा तबादले का चाबुक

नवभारत, गाडरवारा। प्रदेश में समय-समय पर तबादला नीति के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों के स्थानांतरण किए जाते हैं, लेकिन गाडरवारा अनुभाग में लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कई कर्मचारी और अधिकारी 10 से 20 वर्ष, जबकि कुछ मामलों में 25 वर्ष से अधिक समय से एक ही कार्यालय अथवा पद पर जमे हुए हैं। स्थानांतरण सत्र शुरू होने के साथ ही अब यह सवाल फिर चर्चा में है कि वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारियों-

कर्मचारियों पर तबादला नीति का असर कब दिखाई देगा। लंबे समय तक एक ही जगह पदस्थ रहने से स्थानीय स्तर पर मजबूत नेटवर्क बनने और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की निष्पक्षता प्रभावित होने की आशंका भी जताई जा रही है। तबादला सत्र के दौरान अनेक अधिकारियों-कर्मचारियों के स्थानांतरण होते हैं, लेकिन कुछ ऐसे नाम भी बताए जाते हैं जो लंबे समय से एक ही स्थान पर बने हुए हैं। इसे लेकर विभागीय कर्मचारियों में असंतोष की चर्चा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर किन प्रशासनिक कारणों अथवा विशेष परिस्थितियों के चलते इन कर्मचारियों को लगातार एक ही स्थान पर पदस्थ रखा गया है। स्थानीय स्तर पर शिक्षा, जनजातीय कार्य, वन, स्वास्थ्य, तहसील, कृषि, उद्यानिकी, बीआरसी, जनपद, जिला पंचायत, महिला एवं बाल विकास, पीएचई, नगर पालिका, एनडीवीए, हाउसिंग बोर्ड, पीडब्ल्यूडी और पशु चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों में लंबे समय से पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को लेकर चर्चाएं हैं।

कौन दे रहा संरक्षण?

अब मांग उठ रही है कि संबंधित विभाग ऐसे मामलों की पदस्थापना अवधि की समीक्षा करें और जहां शासन के नियमों एवं प्रशासनिक आवश्यकता के अनुरूप स्थानांतरण जरूरी हो, वहां निष्पक्ष कार्रवाई की जाए। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापना प्रशासनिक दृष्टि से उचित नहीं है तो ऐसे कर्मचारियों के स्थानांतरण क्यों नहीं किए जा रहे? क्या इसके पीछे कोई विशेष प्रशासनिक कारण है।

स्कूलों में दिलाई गई साक्षरता की शपथ

नवभारत, गाडरवारा। विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर क्षेत्र के शासकीय स्कूलों में साक्षरता शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने शिक्षा के महत्व को समझते हुए निरक्षरता दूर करने, शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों को बताया गया कि साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं है।

कर्तव्यों और अवसरों के प्रति जागरूक रहे

यह व्यक्ति को अपने अधिकारों, कर्तव्यों और अवसरों के प्रति जागरूक बनाकर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का माध्यम है। शिक्षित और जागरूक नागरिक ही मजबूत एवं विकसित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य, प्रधानपाठक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि शासकीय स्कूलों में 1 से 14 सितंबर तक साक्षरता पखवाड़ा मनाया जा रहा है।